

PAPER-III
RAJASTHANI

Signature and Name of Invigilator

1. (Signature) _____

(Name) _____

2. (Signature) _____

(Name) _____

J	A	0	4	3	1	7
----------	----------	----------	----------	----------	----------	----------

Time : 2 ½ hours]

[Maximum Marks : 150

Number of Pages in this Booklet : 16

Number of Questions in this Booklet : 75

Instructions for the Candidates

1. Write your roll number in the space provided on the top of this page.
2. This paper consists of seventy five multiple-choice type of questions.
3. At the commencement of examination, the question booklet will be given to you. In the first 5 minutes, you are requested to open the booklet and compulsorily examine it as below :
 - (i) To have access to the Question Booklet, tear off the paper seal on the edge of this cover page. Do not accept a booklet without sticker-seal and do not accept an open booklet.
 - (ii) **Tally the number of pages and number of questions in the booklet with the information printed on the cover page. Faulty booklets due to pages/questions missing or duplicate or not in serial order or any other discrepancy should be got replaced immediately by a correct booklet from the invigilator within the period of 5 minutes. Afterwards, neither the Question Booklet will be replaced nor any extra time will be given.**
 - (iii) After this verification is over, the Test Booklet Number should be entered on the OMR Sheet and the OMR Sheet Number should be entered on this Test Booklet.
 - (iv) The test booklet no. and OMR sheet no. should be same. In case of discrepancy in the number, the candidate should immediately report the matter to the invigilator for replacement of the test booklet / OMR Sheet.
4. Each item has four alternative responses marked (1), (2), (3) and (4). You have to darken the circle as indicated below on the correct response against each item.
Example : ① ② ● ④
where (3) is the correct response.
5. Your responses to the items are to be indicated in the **OMR Sheet given inside the Booklet only**. If you mark your response at any place other than in the circle in the OMR Sheet, it will not be evaluated.
6. Read instructions given inside carefully.
7. Rough Work is to be done in the end of this booklet.
8. If you write your Name, Roll Number, Phone Number or put any mark on any part of the OMR Sheet, except for the space allotted for the relevant entries, which may disclose your identity, or use abusive language or employ any other unfair means, such as change of response by scratching or using white fluid, you will render yourself liable to disqualification.
9. You have to return the Original OMR Sheet to the invigilators at the end of the examination compulsorily and must not carry it with you outside the Examination Hall. You are, however, allowed to carry original question booklet on conclusion of examination.
10. Use only **Black Ball point pen**.
11. Use of any calculator or log table etc., is prohibited.
12. There is no negative marks for incorrect answers.

OMR Sheet No. :

(To be filled by the Candidate)

Roll No.

--	--	--	--	--	--	--	--

(In figures as per admission card)

Roll No. _____

(In words)

परीक्षार्थियों के लिए निर्देश

1. इस पृष्ठ के ऊपर नियत स्थान पर अपना रोल नम्बर लिखिए ।
2. इस प्रश्न-पत्र में पचहत्तर बहुविकल्पीय प्रश्न हैं ।
3. परीक्षा प्रारम्भ होने पर, प्रश्न-पुस्तिका आपको दे दी जायेगी । पहले पाँच मिनट आपको प्रश्न-पुस्तिका खोलने तथा उसकी निम्नलिखित जाँच के लिए दिये जायेंगे, जिसकी जाँच आपको अवश्य करनी है :
 - (i) प्रश्न-पुस्तिका खोलने के लिए पुस्तिका पर लगी कागज की सील को फाड़ लें । खुली हुई या बिना स्टीकर-सील की पुस्तिका स्वीकार न करें ।
 - (ii) कवर पृष्ठ पर छपे निर्देशानुसार प्रश्न-पुस्तिका के पृष्ठ तथा प्रश्नों की संख्या को अच्छी तरह चेक कर लें कि ये पूरे हैं । दोषपूर्ण पुस्तिका जिनमें पृष्ठ/प्रश्न कम हों या दुबारा आये हों या सीरियल में न हों अर्थात् किसी भी प्रकार की त्रुटिपूर्ण पुस्तिका स्वीकार न करें तथा उसी समय उसे लौटाकर उसके स्थान पर दूसरी सही प्रश्न-पुस्तिका ले लें । इसके लिए आपको पाँच मिनट दिये जायेंगे । उसके बाद न तो आपकी प्रश्न-पुस्तिका वापस ली जायेगी और न ही आपको अतिरिक्त समय दिया जायेगा ।
 - (iii) इस जाँच के बाद प्रश्न-पुस्तिका का नंबर OMR पत्रक पर अंकित करें और OMR पत्रक का नंबर इस प्रश्न-पुस्तिका पर अंकित कर दें ।
 - (iv) प्रश्न पुस्तिका नं. और OMR पत्रक नं. समान होने चाहिए । यदि नंबर भिन्न हों, तो परीक्षार्थी प्रश्न-पुस्तिका / OMR पत्रक बदलने के लिए निरीक्षक को तुरंत सूचित करें ।
4. प्रत्येक प्रश्न के लिए चार उत्तर विकल्प (1), (2), (3) तथा (4) दिये गये हैं । आपको सही उत्तर के वृत्त को पेन से भरकर काला करना है जैसा कि नीचे दिखाया गया है :
उदाहरण : ① ② ● ④
जबकि (3) सही उत्तर है ।
5. प्रश्नों के उत्तर केवल प्रश्न पुस्तिका के अन्दर दिये गये OMR पत्रक पर ही अंकित करने हैं । यदि आप OMR पत्रक पर दिये गये वृत्त के अलावा किसी अन्य स्थान पर उत्तर चिह्नित करते हैं, तो उसका मूल्यांकन नहीं होगा ।
6. अन्दर दिये गये निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़ें ।
7. कच्चा काम (Rough Work) इस पुस्तिका के अन्तिम पृष्ठ पर करें ।
8. यदि आप OMR पत्रक पर नियत स्थान के अलावा अपना नाम, रोल नम्बर, फोन नम्बर या कोई भी ऐसा चिह्न जिससे आपकी पहचान हो सके, अंकित करते हैं अथवा अभद्र भाषा का प्रयोग करते हैं, या कोई अन्य अनुचित साधन का प्रयोग करते हैं, जैसे कि अंकित किये गये उत्तर को मिटाना या सफेद स्याही से बदलना तो परीक्षा के लिये अयोग्य घोषित किये जा सकते हैं ।
9. आपको परीक्षा समाप्त होने पर मूल OMR पत्रक निरीक्षक महोदय को लौटाना आवश्यक है और परीक्षा समाप्ति के बाद उसे अपने साथ परीक्षा भवन से बाहर न लेकर जायें । हालाँकि आप परीक्षा समाप्ति पर मूल प्रश्न-पुस्तिका अपने साथ ले जा सकते हैं ।
10. काले बाल प्वाइंट पेन का ही इस्तेमाल करें ।
11. किसी भी प्रकार का संगणक (कैलकुलेटर) या लाग टेबल आदि का प्रयोग वर्जित है ।
12. गलत उत्तरों के लिए कोई नकारात्मक अंक नहीं हैं ।



RAJASTHANI

राजस्थानी

Paper – III

प्रश्नपत्र – III

Note : This paper contains **seventy five (75)** objective type questions of **two (2)** marks each. **All** questions are compulsory.

नोट : इण प्रश्नपत्र में **पिचहतर (75)** बहु-विकल्पीय प्रश्न हैं । हरेक प्रश्न सारू **दो (2)** अंक तय है । **सगळां** प्रश्नां रा पडूतर देवणा है ।

1. 'थूं तिरणौ जाणतौ तो नदी पार कर लेवतौ ।' – इण वाक्य में अरथ री दीठ सूं किण भांत री क्रिया गिणीजसी ?

- | | |
|------------------------|-----------------------|
| (1) संभावनार्थक क्रिया | (2) संदेहार्थक क्रिया |
| (3) आज्ञार्थक क्रिया | (4) संकेतार्थक क्रिया |

2. 'अणदौ हालतौ – हालतौ खावे ।' – वाक्य संरचना री दीठ सूं औ वाक्य किण भांत री क्रिया रौ उदाहरण है ?

- | | |
|------------------------|-----------------------|
| (1) प्रेरणार्थक क्रिया | (2) नाम धातु क्रिया |
| (3) संयुक्त क्रिया | (4) पूर्णकालिक क्रिया |

3. 'आसोज महीणै अेक मेह भळै हुय जावतौ तो घणौ ई धांन निपजतौ ।' – औ किण भांत रौ वाक्य गिणीजैला ?

- | | |
|---------------------|---------------------|
| (1) संकेतवाची वाक्य | (2) आज्ञावाची वाक्य |
| (3) संदेहवाची वाक्य | (4) इच्छावाची वाक्य |

4. 'गुळ-घी' सबद में समास है –

- | | |
|-------------------|--------------------|
| (1) द्वन्द्व समास | (2) बहुब्रीहि समास |
| (3) कर्मधारय समास | (4) अव्ययीभाव समास |

5. किसै क्रम माथै लिखियोडा सगळा सबद घोडै रा पर्यायवाची है ?

- | | |
|-------------------------|-------------------------|
| (1) पंखाळ, पाकेट, दंताळ | (2) पंखाळ, केकांण, हैवर |
| (3) पतंग, अेण, रेवंत | (4) पमंग, व्याळ, माकड |

6. राजस्थानी री 'वागड़ी' बोली बोलीजै –
- (1) कोटा – बूंदी में (2) उदयपुर – चित्तौड़ में
(3) जोधपुर – बीकानेर में (4) डूंगरपुर – बांसवाड़ा में
7. 'माधवानल कामकन्दला' रचना राजस्थानी री किसी शैली सँ सम्बन्ध राखे ?
- (1) संत शैली (2) चारण शैली
(3) जैन शैली (4) लौकिक शैली
8. 'उमादे भटियाणी रा कवित्त' लिखणियां कवि रौ नाम है –
- (1) बारहठ आसा (2) हरिसूर
(3) लालजी मेहडू (4) ईसरदास
9. वीरभाण रतनू किण पोथी रै मांय आपणी आंख्यां देखिये जुद्ध रौ वरणाव कियो है ?
- (1) सूरज प्रकाश (2) राजरूपक
(3) बिन्है रासौ (4) बलवद्विलास
10. "तैया सांसु तैया मांसु, तैया देह दमोही
तो उत्तम, मिधम क्यूं जांणीजै विवरस देखौ लोही ।"
– मानव समता रौ संदेस देवणियौ औ संत हौ –
- (1) वील्होजी (2) ऊदोजी
(3) केशोजी (4) जांभोजी
11. दस मास उदरि धरी
वळै पाळै वरस दस ।
जो इयां प्रति पाळे जीवड़ी,
पूत हेत पेखतां पिता प्रति,
वळै विसेखे मात बड़ी ॥
– कविवर पृथ्वीराज राठौड़ वेलि रै इण दोहलै में उजागर कीनी है –
- (1) पुरुस री प्रीत (2) नारी री महिमा
(3) स्त्रिस्टी री गतागत (4) पूत रौ हेत

12. 'ढोला-मारू रा दूहा' रौ से सूं पुराणौ रूप 11वीं 12वीं सदी रौ मानियो है, उण विद्वान रौ नाम है –
- (1) गौरीशंकर हीराचंद ओझा (2) मोहनलाल दलीचंद देसाई
(3) हजारीप्रसाद द्विवेदी (4) भोलाशंकर व्यास
13. 'श्रीमंडळ' लोक वाद्य किण भांत रौ वाद्य है ?
- (1) घन वाद्य (2) तंत वाद्य
(3) सुसिर वाद्य (4) अनुरुद्ध वाद्य
14. 'ब्याव-बधावणै', 'तीज-तिंवार' अर सामाजिक उच्छब रै माथै गायक - जातियां 'सुभराज' किया करै । औ 'सुभराज' होवै –
- (1) कथावां रौ गान (2) ओळभा – गान
(3) चेतावणी रौ गान (4) वंस-विडद गान
15. 'काळ बरस में इदक-मास' इण मुहावरै रौ अरथ है
- (1) काळ-कोटड़ी रौ बधापौ (2) संकट में अणूतौ बधापौ
(3) लारै रैय जावण रौ संकट (4) संकट सूं बारै आवणौ
16. 'नदियां सुत, तासु सुता रौ नायक, जिणनुं काठौ झालै ।
जळसुत मीत तासु सुत जिणनुं, घात कदै नह घालै ।।' –
इण काव्य-ओळियां मांय किसौ काव्य-दोष है ?
- (1) नाळछेद (2) पखतूट
(3) अपस (4) अंध
17. 'विष्णु भगवान' रै 'जंतरबैण' री चोरी रौ वरणाव किसी लोकगाथा में व्हियो है ?
- (1) काळा गोरा रौ भारत (2) लोक भारत स्यावकरण घोड़ौ
(3) प्रथीराज सुरजा गाथा (4) चौपड़ रौ पवाड़ौ
18. राजस्थान में 'तुरा कलंगी' लोकनाट्य रौ घणौ प्रचलन किण अंचल में है ?
- (1) मेवात अंचल (2) हाड़ौती अंचल
(3) ढूंढाड़ अंचल (4) मेवाड़ अंचल

19. राजस्थानी भाषा साहित्य अर संस्कृति अकादमी बीकानेर रै कार्यालय भवन रौ निर्माण किण अध्यक्ष रै कार्यकाल में व्हियौ ?

- | | |
|--------------------|-------------------------|
| (1) कैलासदान उज्वळ | (2) डॉ. सोनाराम बिश्नोई |
| (3) डॉ. देव कोठारी | (4) पूनमचंद बिश्नोई |

20. 'मंछ कवि' रै लोक चावै ग्रंथ रौ नाम हे –

- | | |
|--------------------------|----------------|
| (1) रघुवर जस प्रकास | (2) लखपत पिंगळ |
| (3) रघुनाथ रूपक गीतां रौ | (4) राज रूपक |

21. 'सौ सौ जतन करे ई तन का, आखर नीं आपांणौ ।

करणौ व्है सो झटपट कर लै, पछे पड़े पछताणौ ।।' –

अै काव्य-ओळियां किण कवि री हे ?

- | | |
|-------------------|-------------------|
| (1) ऊमरदान लाळस | (2) बावजी चतरसिंह |
| (3) संत सुन्दरदास | (4) गणेश पुरी |

22. 'दवावैत' रा दो रूप मिळै, उणां रा नाम हे –

- | | |
|-------------------------|-------------------------|
| (1) शुद्धबंध अर गद्यबंध | (2) पद्यबंध अर शुद्धबंध |
| (3) गद्यजाळ अर काव्यजाळ | (4) दवावैत अर वचनिका |

23. 'मांहरै देस सहर में थांहरौ चाव हरख छै । सो हेकर सों सताब पधारसो ।'

– इण गद्य ओळी में आयोडै 'सताब' सबद रौ अरथ हे

- | | |
|-------------|-----------------|
| (1) जरूर | (2) बैगा |
| (3) चाव सूं | (4) संग-साथ सूं |

24. 'तउ दह लक्खि, विकाइ, मोल जाणवी मुहगेरा ।'

– अचळदास खीची री वचनिका री इण ओळी में आयोडै 'मुहगेरा' सबद रौ अरथ हे

- | | |
|-----------------|-------------------------|
| (1) मुंहमांगियो | (2) सस्तो |
| (3) महंगो | (4) मूंडे सूं नीकळियोडो |

25. 'छह गज कळी कांगरा छाजा, पडियां ढगळ हुवै पाखाण ।
भाखै कमध सुणौ भूपतियाँ, कीरत महल अमर कमटाण ॥'
– नीचै लिखियां में सूँ अै ओळियां किण कवि री है ?
- (1) ओपा आढा री (2) ईसरदास री
(3) अमरसिंह री (4) ईसर राठौड़ री
26. 'नाडी दै पग तातौ न्याळी, थरलीलौ रंग करवै थाळी ।
चहकै बैठ सिरै चांचाळी, कांठळ बंधै उतर दिस काळी ॥'
– इण ओळियां में आ बात परतख व्हे कै –
- (1) बिरखा अवस ई होवैला (2) बिरखा कदैई नीं होवैला
(3) नीर अर चांचाळी मिळैला (4) थाळी नाडी में तिरैला
27. 'कोई दिन पहना कोई दिन ओढा, कोई दिन चिथरा पथरणा रे ।
करणा फकीरी क्या दिलगीरी, सदा मगन मन रहणा रे ॥'
– अै काव्य-ओळियां किण रचनाकार री है ?
- (1) चरणदास री (2) समानबाई री
(3) मीरां री (4) दादू री
28. 'आद्रा पडगी वाव, झूपड झोला खाव ।' – इण लोकोक्ति रौ अरथ है
- (1) आद्रा नखत में झूपडी हिलणी ।
(2) आद्रा नखत में वायरौ बाज्यां सूँ काळ पडणौ ।
(3) आद्रा नखत में वायरौ वाजणौ ।
(4) आद्रा रौ वायरौ झूपडी सारू चोखौ होवै ।
29. राजस्थानी पत्रिकावां 'अपरंच', 'हथाई', अर 'कथेसर' रा सम्पादकां रा नाम क्रमशः किण ओळी में सही लिखियोडा है ?
- (1) गौतम अरोड़ा, रामस्वरूप किसान, दुलाराम सहारण
(2) गौतम अरोड़ा, कुमार अजय, विनोद स्वामी
(3) गौतम अरोड़ा, विनोद स्वामी, पदम मेहता
(4) गौतम अरोड़ा, भरत ओळा, रामस्वरूप किसान

30. 'हिव किरमाळ पहारि धारगढ गाहवि छंडू ।
कस बेकडी किवाड पट्टि किलवायण खंडू ।
भुजबलि भल्लइ भिडिअ भरी भय भरुयचि पइसूं ।
धरअ खंभाइच्च असुर सिर चंपवि बइसूं ।
प्रह ऊगमि पट्टणि करि, धगड़ायण धंधळि धरूं ।
ईडरवइ रा रणमल्ल कहि, इक्क छत्त रवि तळि करूं ।।'
– अे काव्य-ओळियां किण छंद रौ उदाहरण है ?
- (1) साणौर (2) नीसाणी
(3) छप्पय (4) सवैया
31. 'अब म्हे सूता नहीं रहांला,
गांव गांव आ बात कहांला ।' –
अे काव्य-ओळियां किण री है ?
- (1) जयनारायण व्यास (2) हीरालाल शास्त्री
(3) भैरवलाल कालाबादळ (4) माणिक्यलाल वर्मा
32. 'तौ रांध्यौ नहीं खावस्यां, रै वासदै निसड्डु ।
म्हें देखत थें बाळिया, लालर हंदा हड्डु ।।'
– औ दूहौ किण डिंगल कवि रौ है ?
- (1) महारावळ हरराज (2) पृथ्वीराज राठौड़
(3) सूर्यमल्ल मीसण (4) दुरसा आढा
33. 'धर रावां जस डूंगरां, व्रद पोतां सत्र हांण ।
समरे मरण सुधारियौ, चहुं थोळां चहुआंण ।।'
– औ दूहौ अेक जुद्ध-भूमि में घायल डिंगल कवि कैयौ हौ । उण कवि रौ नाम है
- (1) माला सांदू (2) जग्गा खिडिया
(3) रामा सांदू (4) दुरसा आढा

34. 'पीथळ धवळा आविया, सगळी लागी खोड ।

तरुणी मत्त गयंद ज्युं, उभी मुख मरोड ॥'

– पृथ्वीराज राठोड ओ दूहो आपरी किण तरुण-पत्नी ने मुख मोड उभी देख'र कैयो हो ?

- | | |
|-------------|-------------|
| (1) रूपांदे | (2) लखांदे |
| (3) चम्पादे | (4) लालांदे |

35. 'हिरणां लांबी सींगडी, भाजण तणो सभाव ।

सूरा छोटी दांतली, दे घण थट्टां घाव ॥' – इण दूहै में आयोडै 'थट्टां' सबद रौ अरथ हे

- | | |
|---------|------------|
| (1) दळ | (2) बांबी |
| (3) राह | (4) पूंछडी |

36. 'हर बड़ा कै हिरणा बड़ा, सुगन बड़ा कै श्याम ।

अरजुन रथ ने हांकजौ, भली करजौ भगवान ॥'

– इण दूहै रौ मूळ भाव हे –

- | | |
|------------------------------|-------------------------------|
| (1) सुगन ने बड़ौ बतावणौ | (2) भगवान भरोसै सुगन रौ विरोध |
| (3) अरजुन रै रथ हांकण री बात | (4) सुगन ने बड़ौ कैवणौ |

37. 'हियडइ भीतर पइसि करि, ऊगड सज्जण रूख ।

_____, नित नित नवला दूख ॥'

– ढोला मारू रौ ओ दूहो हे, इणरी खाली जागा री ओळी हे ।

- | | |
|--------------------------|-------------------------|
| (1) नित पल्वहइ, नित सूकइ | (2) नित पल्वहइ, नित ऊगइ |
| (3) नित सूकइ, नित पल्वहइ | (4) नित ऊगइ, नित सूकइ |

38. 'हेम की कूपळी मइण की मूंद ।

सा धण उभी रे मत्त गइंद ॥' –

ऊपर री ओळियां में जिण नायिका रौ वरणाव हे, उणरौ नाम हे –

- | | |
|------------|------------|
| (1) मरवणी | (2) राजमती |
| (3) रुकमणी | (4) मारूई |

39. 'गिरि ऊपरि गढ थाहर, विसमी, विसमा पोळि पगार ।
ऊंचा कोटा घणी फारकी, वळी ति विसमा वार ॥'
– अँ ओळियां आदिकाल री महताऊ कृति री है, इणरै रचयिता रौ नाम है ।
- (1) श्रीधर व्यास (2) कुशललाभ
(3) कलोल (4) पद्मनाभ
40. 'खोडिये दूहै' रौ उदाहरण नीचे लिखिया दूहां में सूँ किसौ है ?
- (1) कर कुटियइ कपाळ, त्रीकम तौ विमुखां तणा ।
घड़ी-घड़ी घडियाळ, वाजै वस ॥
- (2) सेणां इण संसार में, सदा सुभीतै सुख ।
देखा-देखी दुख, जठी तठी नै जोयलौ ॥
- (3) आवत दुख इकसार, क्या ग्यानी, क्या मूढ नै ।
इक सह धीरज धार, चीं चीं कर मत चकरिया ॥
- (4) सिर मांडव गुजरात सिर, दळ सझ कीधी दौड ।
उण सांगा रौ बैसणौ, चंगों गढ चीतौड ॥
41. नीचे लिखियोड़ी किसी ओळी में आयोड़ी रचनावां सगळी ई इतियास सूँ सम्बन्ध राखै ?
- (1) करुणबहत्तरी, राजरूपक, कान्हडदे प्रबन्ध
(2) नागदमण, वीसरलदेव रासौ, हालांझालां रा कुण्डलिया
(3) अचलदास खीची री वचनिका, सूरज प्रकाश, राव रिणमल रौ रूपक
(4) गुण निरंजन प्राण, गजमोख, राव जैतसी रौ पाघड़ी छंद
42. महादान मेहडू 'झमाल' शीर्षक सूँ नगर रौ वरणाव कीनौ है, वौ नगर है
- (1) अजमेर री झमाल (2) उदैपुर री झमाल
(3) बीकानेर री झमाल (4) नरवरगढ री झमाल

43. 'जै जै मां मरूवाणी जै ।

नवरस पूरण वाणी जै ।।' – आ वाणी वंदना किण कवि री हे ?

- | | |
|-----------------------------|---------------------|
| (1) गणेशीलाल व्यास 'उस्ताद' | (2) सत्यप्रकाश जोशी |
| (3) कन्हैयालाल सेठिया | (4) चन्द्रसिंह |

44. 'काळ रूप होय कुंभ आयौ घण कोप कर,

मुंड भारी भंडसौ छौ जाबडी दरासी छी ।

सूपड़ा सा कानड़ा छा, दांत वडा दांतां जिसा,

आंखां ऊंडा खाडा जी री नासा किंदरा सी छी ।।' – कवि राव मोहनसिंह इण काव्य-ओळियां में किण राकस रौ वरणाव कीनौ हे ?

- | | |
|-------------|------------|
| (1) कुंभकरण | (2) मेघनाद |
| (3) सुरपणखा | (4) मारीच |

45. 'दे दे पसीनो थंने महनतां ई मान द्यो,

थारी मरदमी नै खेताँ ई वरदान द्यो ।'

– ऐ काव्य-ओळियां राजस्थानी भाषा री किण बोली री हे ?

- | | |
|--------------|------------|
| (1) ढूंढाड़ी | (2) वागड़ी |
| (3) हाड़ौती | (4) मेवाती |

46. 'डांखळा' अर 'सानेट' लिखकर राजस्थानी में अेक कवि जस कमायौ, वारौ नाम हे

- | | |
|-----------------------|------------------|
| (1) मंगत बादल | (2) मोहन आलोक |
| (3) ओम पुरोहित 'कागद' | (4) विनोद स्वामी |

47. 'गढ़ ऊँचौ चित्तौड़, आबू पर छाया पड़े ।

मोरधज्ज री मौड़, कमती किण सूं किसनिया ।।' – सम्बोधन काव्य रै इण सोरठै में आयोड़ौ 'मोरधज्ज' सबद किण किलै सूं सम्बन्ध राखे ?

- | | |
|-------------|------------|
| (1) तारागढ़ | (2) गागरौन |
| (3) जैसलमेर | (4) जोधपुर |

48. नीचे लिखियोड़ी पोथियां में सूं किसी पोथी सम्बोधन-काव्य री नीं हे ?
- (1) भागीरथी रा दूहा (2) संबोध – सतसई
(3) सपनां री सतरंगी सांसा (4) मोतिया रा दूहा
49. नीचे दियोड़े जोड़े में सूं किसौ जोड़ौ भगवतीलाल व्यास री पोथियां रौ हे ?
- (1) सबदराग अर अणहदनाद (2) साख अर देसूंटौ
(3) कावड़ अर मारग (4) झळ अर काळजै में कलम लागी आग री
50. राजस्थानी 'हास्य-व्यंग्य कविता धारा' रौ किसौ जोड़ौ सही हे ?
- (1) गोरधनसिंह शेखावत - भागीरथसिंह भाग्य (2) बुद्धिप्रकाश पारीक अर विश्वनाथ 'विमलेश'
(3) पारस अरोड़ा अर हरीश भादाणी (4) दीन दयाल ओझा अर पुरषोत्तम छंगाणी
51. 'की चवां की न चवां, कवण सुगंदा कत्थ ।
मनड़ौ चावै रात दिन, सयणां हंदौ सत्थ ।।'
– औ दूहौ राजस्थानी री किण उपबोली रौ हे ?
- (1) दिखणादू मारवाड़ी (2) उतरादू मारवाड़ी
(3) उगूणी मारवाड़ी (4) आथूणी मारवाड़ी
52. 'राणियां तळेटियां ऊतरै, राजा भुगते रेस ।
_____, सरग गया सगतेस ।।'
– इण दूहे री खाळी जागा री सही ओळी हे –
- (1) गढ़ ऊपर गोरा फिरै (2) गढ़ मांही गोळा पड़े
(3) गढ़ ऊपर गोळ्या गिरै (4) गढ़ ऊपर गम्घू उडे
53. किसौ नाम आधुनिक राजस्थानी रे युवा कवि रौ नीं हे ?
- (1) मदनगोपाल लढ्ढा (2) ओम नागर
(3) ओमप्रकाश भायिया (4) विनोद स्वामी

54. 'सोरा कठै सपूत, दोरौ ज्यांरौ देस ।

धोरां वाळौ, डूंगर वाळौ, म्हारौ देस ।

औ वीरां रौ देस, औ कवियां रौ देस ।

औ लिछमी रौ देस ॥'

– ऐ गीति ओळियां 'म्हारौ देस' कविता री है, इण ओळियां रें कवि रौ नाम है –

- | | |
|-----------------------|---------------------|
| (1) कन्हैयालाल सेठिया | (2) सत्यप्रकाश जोशी |
| (3) गजानन वर्मा | (4) नारायणसिंह भाटी |

55. उदयराज उज्ज्वल जिकौ सम्बोधन-काव्य लिखियौ है, उणरौ नाम है –

- | | |
|---------------------|---------------------|
| (1) किसनिया रा दूहा | (2) फूसिया रा सोरठा |
| (3) मोतिया रा सोरठा | (4) भानिया रा दूहा |

56. 'नैणसी री ख्यात' में स्त्री सारूं किण सबद रौ प्रयोग व्हियौ है ?

- | | |
|-----------|-----------|
| (1) बैयर | (2) ललना |
| (3) सायधण | (4) लुगाई |

57. जुगल परिहार राजस्थानी रा लेखक है । वै राजस्थानी री किण पत्रिका सूं जुडियोडा है ?

- | | |
|-----------|--------------|
| (1) कथेसर | (2) अनुसिरजण |
| (3) माणक | (4) राजस्थली |

58. 'दीनां री देवळ चढै, क्यूं कोई रीस करेह ।

नागरचाळा ठाकरां, (थांमें) सांगोई गौड़ सिरिह ॥'

– इण दूहै में आयोडै सबद 'नागरचाळा' रौ सम्बन्ध किण आंचलिकता विशेष सूं हौ ?

- | | |
|-----------|-------------|
| (1) सिंध | (2) गुजरात |
| (3) मालवा | (4) जंगळधरा |

59. नीचे लिखी कृतियां में सूं किसी कृति कन्हैयालाल सेठिया री है ?

- | | |
|-------------------|------------------|
| (1) जूझती जूण | (2) मरूमंगळ |
| (3) अणबाच्या आंखर | (4) मायड रौ हेलो |

60. 'म्हारी सुरंगी सेवण घास ।

थूं हे मरू जमारै आस ।।

म्हारी जुगां जुगां री जाळ ।

म्हारा अपरबळी महाकाळ ।।' – इण काव्य-ओळियां में 'अपरबळी' सबद रौ अरथ है

- | | |
|----------------|-----------------------|
| (1) बेहद बळवान | (2) जबरदस्ती रौ बळवान |
| (3) बळ रौ छळ | (4) छळगारौ बळवान |

61. रचना अर रचनाकार रौ किसौ जोड़ौ राजस्थानी कविता में राष्ट्रीयता री भावना जाग्रत करणवाळौ नीं है ?

- (1) सैनाणी – मेघराज मुकुल
- (2) पातल अर पीथळ – कन्हैयालाल सेठिया
- (3) झळ – पारस अरोड़ा
- (4) धूडकोट – गिरधारी सिंह पड़िहार

62. डॉ. कन्हैयालाल सहल राजस्थान री किण सुप्रसिद्ध लोकगाथा रौ संकलन सम्पादन करियौ हौ ?

- | | |
|----------------------|----------------------|
| (1) बगड़ावत | (2) निहालदे – सुलतान |
| (3) नरबद – सुपियारदे | (4) कोडमदे – सार्दूल |

63. राजस्थानी में 'गाडर' सबद रौ सही अर्थ है

- | | |
|------------|----------|
| (1) बकरी | (2) छाळी |
| (3) लवारकी | (4) भेड़ |

64. 'थूं है देसी रूखड़ौ, औ परदेसी लोग ।

_____, थूं कंह आयौ फोग ।।' –

– बीकानेर रा राजा रायसिंह रे इण दूहै री खाली जागा री ओळी है –

- | | |
|-------------------------|---------------------------|
| (1) म्हांनै अकबर तेडिया | (2) म्हांनै अवरंग तेडिया |
| (3) अकबर ले आयौ अटे | (4) म्हे उळझ्या अवरंग सूं |

65. नीचे लिखिया गीतां में सूँ किसौ गीत 'झुरावौ' बाजै ?
- (1) झल्ले आऊवौ (2) रिडमल खाबड़ियौ
(3) रतनराणौ (4) लाखौ फूलाणी
66. बावजी चतरसिंह री नीचे लिखियोड़ी पोथियां में सूँ किसी पोथी गद्य विधा री हे ?
- (1) चतुर – चिंतामणि (2) मानवमित्र रामचरित
(3) अलख पचीसी (4) हनुमान पंचक
67. मध्यकाल रै चारण कवि 'रंगरेलो बीटू' रौ पूरौ नाम हौ
- (1) वीरकरण (2) वीरदान
(3) वीरमदास (4) वीरदास
68. 'लूर' नामवाळा गीत किण तिवार माथे गाईजै ?
- (1) दीवाळी माथे (2) आखातीज माथे
(3) होळी माथे (4) दसरावे माथे
69. नीचे लिखियोड़े लेखकां रै नामां में सूँ किसौ नाम एकांकीकार रौ नीं हे ?
- (1) आईदानसिंह भाटी (2) गणपतिचन्द्र भंडारी
(3) सूर्यकरण पारीक (4) बैजनाथ पंवार
70. 'रोहीड़े रा फूल' निबंध-संग्रे रा लेखक हे
- (1) सोहनदान चारण (2) जहूर खां मेहर
(3) डॉ. मनोहर शर्मा (4) शक्तिदान कविया

71. ढोला-मारू रै नायक 'ढोला' रौ मूल नाम काई है ?

- | | |
|--------------|----------------|
| (1) ढोलकुंवर | (2) साल्हकुंवर |
| (3) सालहावत | (4) कुंवर सी |

72. मिगसर वाव न वज्जियौ, रोयण तपी न जेट ।

_____, रहसां वडला हेठ ।। इण सुगन विचारवाळे दूहै री खाली जागा री सही ओळी है –

- | | |
|-------------------------|-------------------------|
| (1) कंथा म जावां गांवडै | (2) कंथा म जावां सासरै |
| (3) कंथा म बांधौ पागड़ी | (4) कंथा म बांधे झूपड़ौ |

73. नीचै लिखिया लोक गीतां रै नामां में सूँ किसौ गीत 'सुन्दरता अर रूपास' रौ है ?

- | | |
|----------|-------------|
| (1) मूमल | (2) काचबौ |
| (3) मखणौ | (4) रतनराणौ |

74. 'कूदण बाबो' संस्मरण किण पोथी में आयोडौ है अर इण पोथी रै लेखक रौ नाम आळौ जोडौ किसौ सही है ?

- | |
|---------------------------------------|
| (1) उणियारा ओळूं तणा – अस्तअली मलकाण |
| (2) उणियारा – शिवराज छंगाणी |
| (3) ओळूं री अखियातां – नेमनारायण जोशी |
| (4) देस-दिसावर – अन्नाराम सुदामा |

75. 'घोडा हुवैज काठ रा, पिंड कीजै पाखाण ।

लोह तणा हुय लूगडा, जद दीसे जैसांण ।।'

– औ दूहौ किण कवि रौ है ?

- | | |
|---------------|-----------------|
| (1) कुशळलाभ | (2) वीरदास बीटू |
| (3) बीटू सूजा | (4) बारहट आसा |

Space For Rough Work